

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 01 October 2026

भारत-पाकिस्तान युद्ध में एक नया संकट पैदा हो गया है ; अंतरिक्ष से एक बड़ा अंतरिक्ष यान पृथ्वी से टकराएगा, कब और कहां ? सारी जानकारी देखें.

Publisher

Published on 10 May 2025



आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला पाकिस्तान जहां अपनी शरारतें जारी रखे हुए है, वहीं भारत ने भी इस देश को अच्छा सबक सिखाया है । लेकिन....

जबकि पूरी दुनिया इस समय भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे संघर्ष पर चर्चा कर रही है, एक नया संकट मंडराने लगा है । यह संकट अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आ रहा है और इसकी तीव्रता बढ़ती जा रही है ।

ठीक 53 वर्ष पहले, 1972 में, तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) ने शुक्र ग्रह का अध्ययन करने के लिए एक अंतरिक्ष यान भेजा था । अब तक यह अंतरिक्ष यान अंतरिक्ष में था । हालाँकि, अब यह पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश कर चुका है । इस अंतरिक्ष यान का नाम कॉस्मोस 482 है और यह किसी भी समय पृथ्वी पर गिर सकता है ।

4 फुट चौड़े और 5 फुट ऊंचे इस अंतरिक्ष यान का वजन 495 किलोग्राम है और इसके अफगानिस्तान, पाकिस्तान और भारत के राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र या आंध्र प्रदेश में गिरने की संभावना है । महत्वपूर्ण बात यह है कि चूंकि इस अंतरिक्ष यान के गिरने पर अब कोई नियंत्रण नहीं है, इसलिए यह उपग्रह पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करते ही जलेगा नहीं, इसलिए यदि यह किसी नागरिक बस्ती पर गिरता है, तो इससे बहुत अधिक क्षति होगी । महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतरिक्ष विशेषज्ञ श्रीनिवास औंधकर ने बताया कि यदि भारत-पाकिस्तान युद्ध की मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति में यह अंतरिक्ष यान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, तो कई तरह की अफवाहें फैल सकती हैं । इस बीच, नागरिकों से भी आग्रह किया जा रहा है कि वे इस स्थिति में केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें ।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, हर दिन अंतरिक्ष से कई चीजें पृथ्वी पर गिरती हैं। अधिकांशतः अंतरिक्ष यान का मलबा पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते ही नष्ट हो जाता है, या गर्मी के कारण जल जाता है। उनमें से बहुत कम पृथ्वी पर गिरते हैं। इसके अलावा, चूंकि पृथ्वी का 71 प्रतिशत भाग महासागरों से ढका हुआ है, इसलिए अंतरिक्ष से आने वाली वस्तुओं के धरती पर, और इससे भी अधिक, नागरिक बस्तियों पर गिरने की संभावना बहुत कम है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.